



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 126]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 18, 1992/माघ 29, 1913

No. 126] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 18, 1992/MAGHA 29, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

प्रधिकूलना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1992

श्र. श्रा. 140(अ) -- जम्मू और कश्मीर निवेशन फंड (जिसे
इसके पश्चात् जे. के. एन. एफ. कहा गया है) एक ऐसा संगठन है
जो वास्तव में पाकिस्तान और नंदिन में स्थित है, और उनके भारतीय
भूमि, विशेष कर जम्मू और कश्मीर में हमदर्द समर्थक और एंजेंट है
और

(i) भारत सर्व से जम्मू और कश्मीर राज्य को अत्यंत करने के
प्रपत्ते उद्देश्य की तृतीय आम घोषणा को है और इस उद्देश्य को प्राप्त
करने के लिए—

(क) जम्मू और कश्मीर के नोंगों के लिए आत्मनिर्णय के अधिकार
का प्रचार कर रहे हैं और भारतीय सैनिकों द्वारा कश्मीर
के क्षणित कठज्ज्वल के बिना विरोध प्रकट करने के लिए राज्य
में 15 अगस्त (स्वतंत्रता विद्यम) को काला विद्यम के रूप में
मनाने के लिए पोस्टरों द्वारा राज्य के लोगों का आह्वान
कर रहे हैं;

(ख) प्रवनी विचारधारा के अनुसार यह भी घोषणा की है कि
जम्मू और कश्मीर राज्य के लोग किसी संघीय/अधिकारी ममक्षीता
या करार से बढ़ नहीं देंगे या ये उनका पानन नहीं करेंगे जो
राज्य के लोगों (कश्मीर के उम क्षेत्र में जो अब पाकिस्तान
के गैर कानूनी कठज्ज्वल में हैं, इह नहीं लोगों महिन) की इच्छा
के बर्दाश हुए हों;

(ii) इसने जम्मू और कश्मीर राज्य को भारतीय संघ से अलग
करने के प्रयास में—

(क) पोस्टरों द्वारा बंद और छहतालों का आह्वान करके
सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने का प्रयास किया;

(ख) कश्मीर घाटों में आतंक का वातावरण पैदा किया और
उन अनेक नाजीनीतिज्ञ कार्यकर्ताओं तथा सरकारी कर्मचारियों
को हत्याएँ की जा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने के
लिए उत्तरदायी हैं और उन कार्यों द्वारा इसका हरावा राज्य
में अव्यवस्था पैदा करना है और कानून द्वारा स्थापित सरकारी
तंत्र को पूरी तरह ठप्प करना है;

(iii) इसने नवी लोकसभा के जुनाओं में आम बोटरों द्वारा भाग से नो का भिज्जार करने के लिए नवम्बर, 1989 में एक अभियान शुरू किया था और अपने दबाव के तरीकों द्वारा इस अभियान में अहृत हद तक सफल हुए;

(4) अपने उद्देश्यों के अनुसरण में जे. के. एन. एफ. के कार्यकर्ता विभिन्न प्रपराधिक गतिविधियों जैसे की, सुरक्षा बलों पर आक्रमण, प्रत्याध्वनिक हथियारों के प्रयोग, और बिना किसी भेदभाव के महाविपूर्ण राजनीतिक सेनाओं, सरकारी कर्मचारियों और निर्दोष नागरिकों के अपहरण में लगे रहे;

(5) जे. के. एन. एफ. के द्वितीय प्रमाणित द्वारा जिसमें 1-1-1990 को राजस्विडी पाकिस्तान में एक ब्रह्मण्ड जारी किया जिसमें जे. के. एन. एफ. की भारत सरकार और इसके प्रदाधिकारियों और भारत में उन सभी गल्फ़-फ़िर दंनों का दुर्घात घोषित किया जो जम्मू और कश्मीर राज्य को भारत के माथ बिन्दु का समर्थन करते हैं;

और जबकि द्वितीय सरकार की राय है कि उपरोक्त कारणों से जे. के. एन. एफ. जिसमें इसके सदस्य, कार्यकर्ता सशस्त्र गुट और समर्थक शामिल हैं जो विदेशी में स्थित अपने नियामकों के सहयोग से भारत में कार्य कर रहे हैं, को गैर कानूनी संगठन घोषित करते हैं और उक्त धारा को उपधारा (3) के परलूक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देता है कि अद्य अधिसूचना उक्त अधिनियम को धारा 4 के अधीन किए जाने वाले किसी भारेश के अध्यक्षीय होते हुए, सरकारी राजनीति में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी।

नई विलासी,

दिनांक 18 फरवरी, 1992

[फाईल नं. 13014/18/91-के]
के. के. सिन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th February, 1992

S.O. 140(E).—Whereas the Jammu and Kashmir Liberation Front (hereinafter referred to as JKLF) is an association actually based in Pakistan and London and having sympathisers, supporters and agents on Indian soil, especially in Jammu and Kashmir, and—

(i) it has openly declared as its aim secession of the State of Jammu and Kashmir

from the Union of India, and to achieve this purpose—

- (a) has been preaching right of self-determination for the people of Jammu and Kashmir and has been giving calls through posters to the people of the State to observe 15th of August (Independence Day) as a Black day in the State to protest against the alleged occupation of Kashmir by Indian Forces;
- (b) has also declared, as per its ideology, that the people of the State of Jammu and Kashmir are not bound by or will not abide by any treaty or accord or agreement which might have been arrived at without the wishes of the people of the State (including the people living in that area of Kashmir now under illegal occupation of Pakistan);
- (ii) it has in its attempt to cause secession of the State of Jammu and Kashmir from the Union of India—
 - (a) tried to create public disorder by giving calls for Bandhs and strikes through posters;
 - (b) unleashed a reign of terror in Kashmir Valley and indulged in large number of assassinations of political workers and public servants who are responsible for maintenance of public order and by these acts it has intended to create chaos in the State and to effect complete breakdown of machinery of Government as established by law;
 - (iii) it had launched a campaign in November, 1989 to boycott participation by common voters in the Elections to the Ninth Lok Sabha and through its coercive methods succeeded to a large extent in that campaign;
 - (iv) in pursuance of its designs the activists of JKLF continued to indulge in various criminal acts such as attacks on the Security Forces, through use of combination of sophisticated weapons and abduction of important political leaders, public servants and innocent citizens without any discrimination;
 - (v) the Chairman of JKLF, Amanullah Khan through a statement issued on 01-01-1990 in Rawalpindi, Pakistan declared JKLF to be an enemy of Government of India and its functionaries and all such political par-

ties in India who support the accession of the State of Jammu and Kashmir with India;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the aforesaid reasons the JKLF (including its members, activists, armed groups and sympathisers working inside India in collaboration with their masters abroad) is an Unlawful association;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups and members of the JKLF on the security forces and on the civilian population, it is necessary to declare the association referred to in the preceding paragraph to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the JKLF (including its members, activists, armed groups and sympathisers working inside India in collaboration with their masters abroad) to be an unlawful association, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

New Delhi,
Dated 18th February, 1992.

[F. No. 13014/18/91-K]
K. K. SINHA, Jt. Secy.

